अभ्यास

प्रश्न 1. इस कथन को पढ़ें और सही उत्तर दें :

(क) इनमें से कौन मौसम के घटक नहीं हैं ?

(a) पवन (b) तापमान

(c) आर्द्रता (d) पहाड़ **उत्तर–(d)**

(ख) ऊष्ण कटिबंधीय क्षेत्र में पाया जाने वाला जन्तु है–

(a) ध्रुवीय भालू (b) पेंग्विन

(c) रेनडियर (d) कस्तूरी मृग **उत्तर–(d)**

(ग) ध्रुवीय क्षेत्र में पाए जाने वाले जन्तु हैं–

(a) टुकन पक्षी (b) हाथी

(c) लायन टेल्ड लंगुर (d) ध्रुवीय भालू

उत्तर–(d)

(घ) वैसे जन्तु जिनके शरीर पर बालों (फर) की दो मोटी परतें होती हैं वे पाये जाते हैं–

(a) ऊष्णकटिबंधीय क्षेत्र (b) रेगिस्तान

(c) ध्रुवीय क्षेत्र (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(c)

प्रश्न 2. स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(क) दीर्घ अवधि के मौसम का औसत .....कहलाता है ।

(ख) वर्ष भर सूर्योदय और सूर्यास्त के ..... में परिवर्तन होता है ।

(ग) तापमान आर्द्रता आदि ..... के घटक हैं ।

उत्तर–(क) जलवायु

(ख) समय

(ग) मौसम ।

प्रश्न 3. ऊष्ण कटिबंधीय वर्षा वनों में रहने वाले हाथी किस प्रकार अनुकूलित हैं ?

उत्तर–भारत में कई जंगलों में एशियाई हाथी पाया जाता है । हाथी में हमें मौसम, जलवायु और पर्यावरण के प्रभाव से हुए कई अनुकूलन देखने को मिलते हैं । यह जन्तु प्रमुख रूप से घास खाता है परन्तु इसके आकार के अनुसार बड़ी मात्रा में घास सभी मौसम में मिलना असम्भव है । इनके विशाल आकार और लम्बी सूँढ़ के कारण यह वृक्षों की बड़ी ऊँचाई से पत्तों और टहनियाँ तोड़कर खा सकते हैं । इनके सूंढ़ घास काटने और चुनने के लिए तथा टहनियाँ पत्ते तोड़कर मुँह में डालने के काम के लिए अनुकूलित हैं । आकार में बहुत बड़ा होने के कारण इसके शरीर पर वाष्पन नहीं होता है । गर्म मौसम में हाथी के लिए यह बड़ी समस्या हो सकती है । हाथी के कान बड़े होते हैं तथा कान की त्वचा पतली होती है और रक्त वाहिनियों का जंजाल रहता है । यह अपना कान हमेशा हिलाते रहता है, जिससे उसके शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है । अफ्रिका में गर्मी भारत से अधिक है । इस गर्मी में अपने शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने के लिए अफ्रिकन हाथी के कान भारतीय हाथी के कान से बड़े होते हैं । इस प्रकार ऊष्ण कटिबंधीय वर्षा वनों में रहने वाले हाथी अपने आपको मौसम के अनुरूप अनुकूलित होते हैं ।

प्रश्न 4. मौसम और जलवायु में से किसमें तेजी से परिवर्तन होता है ?

उत्तर–तापमान आर्द्रता और अन्य कारक मौसम के घटक हैं । प्रतिदिन मौसम सम्बन्धी आँकड़ों तथा अनेक दशकों के मौसम का रिकार्ड इकट्ठा किया जाता है । इसी मौसम पैटर्न से किसी स्थान के जलवायु का पता चलता है । हमारे यहाँ जलवायु उष्णकटिबंधीय है । यह आम तौर पर मौनसून पर निर्भर करती है । हमारे यहाँ चार ऋतुएँ होती हैं–

(i) शीत ऋतु,

(ii) ग्रीष्म ऋतु,

(iii) वर्षा ऋतु और

(iv) मानसून पश्चात ऋतु ।

हमारे यहाँ के जलवायु पर दो प्रकार के मौसमी हवाओं का प्रभाव पड़ता है - उत्तर पूर्वी मानसून और दक्षिण पश्चिम मानसून। उत्तर-पूर्वी मानसून को शीत मानसून भी कहा जाता है। जिस स्थान का तापमान अधिकांश समय उच्च रहता है तो कहा जाता है कि उस स्थान का जलवायु गर्म है। जिस स्थान पर अधिकांश दिनों में भारी वर्षा होती है तो हम कहते हैं कि उस स्थान की जलवायु गर्म और आर्द्र है। मौसम प्रतिदिन परिवर्तित होते रहता है लेकिन जलावायु में परिवर्तन बाद में पता चलता है। जलवायु से मौसम में परिवर्तन तेजी से होता है।